शिंदे.व्ही.डी
हिंदी विभाग
एस.एम.बी.एस.टी महाविद्यालय
संगमनेर

भक्तिकाल

- भक्तिकाल की परिस्थितीया -

1. राजनैतिक
2. सामाजिक
3. धार्मिक

भक्तिकाल की प्रमुख शाखाएँ-

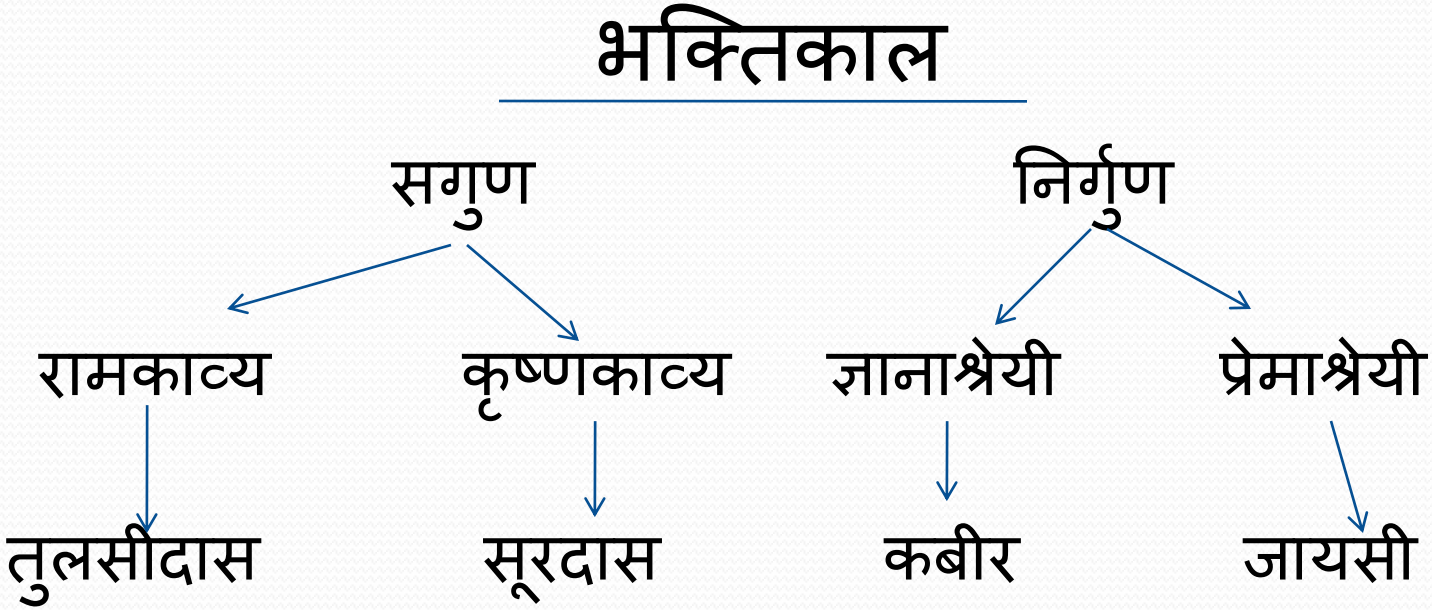

ज्ञानाश्रेयी/संत काव्यधारा की विशेषताएँ-

- निर्गुण ईश्वर मे विश्वास
- सद्गुरू का महत्व बहुदेववाद ओर अवतारवाद का विरोध
- जाती-पाती के भेदभाव का विरोध
- रूढीयों ओर आडम्बरों का विरोध
- भक्तिभावना का प्राधान्य
- अहंकार का त्याग
- रहस्यवाद
- नारी के प्रति दृष्टिकोन
- शृंगार वर्णन एवं विरह की मार्मिक उक्तियाँ

प्रेममार्गी / सुफी काव्यधारा की प्रवृत्तीयाँ-

- प्रेमगाथाओं का आधार
- प्रबंध कल्पना
- हिंदू संस्कृती एवं लोकपक्ष का वर्णन
- भाव व्यंजना
- रहस्यवाद की सरस अभिव्यक्ति
- नारी चित्रण
- भारतीय धर्म और दर्शन का प्रभाव
- अवधी भाषा
- रस

रामकाव्य धारा की विशेषताएँ-

- राम का स्वरूप
- समन्वयक
- लोकजीवन का अंकन
- भक्ति का स्वरूप
- अवतारवाद
- नव रसों का परिपाक
- पात्र तथा चरित्र-चित्रण
- अवधी ओर ब्रजभाषा का स्वरूप
- लोकमंगल का उद्देश्य

कृष्ण काव्यधारा की विशेषताए-

- कृष्णलीला का वर्णन
- रस चित्रण
- भक्तिभावना
- अवतारवाद
- प्रकृति चित्रण
- प्रेम की अलौकिकता
- पात्र एवं चरित्र-चित्रण
- सामाजिक पक्ष का वर्णन
- शैली

धन्यवाद